Raj Express (Indore), 18th February 2026, Page – 04

आईआईटी इंदौर में संस्थान का 17 वां मनाया गया स्थापना दिवस

शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी का संगम सार्थक प्रभाव पैदा करने का सशक्त माध्यम

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर में संस्थान का 17 वां स्थापना दिवस मनाया गया। इसमें शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्रभावशाली अनुसंधान, नवाचार और समाज की सेवा के 17 साल पूरे हुए। इस अवसर पर संकाय सदस्य, कर्मचारी, छात्र, पूर्व छात्र और विशिष्ट अतिथि संस्थान की यात्रा और राष्ट्रीय विकास में इसकी बढ़ती भूमिका पर विचार करने के लिए एक साथ उपस्थित हुए। समारोह में अनुसंधान-संचालित नवाचार और प्रौद्योगिकी स्थानांतरण पर आईआईटी इंदौर के प्रभावशाली प्रभाव पर बात की गई। प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी के माध्यम से विज्ञान, इंजीनियरिंग और अंतःविषय अनुसंधान के उभरते क्षेत्रों में इसके योगदान को प्रदर्शित करते हुए संस्थान में विकसित उन्नत अनुसंधान परिणामों और स्वदेशी समाधानों को प्रस्तुत किया गया। इस दौरान बताया कि शिक्षा, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से, सार्थक प्रभाव पैदा करने और समावेशी व सतत् राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का प्रयास संस्थान कर रहा हैं।

शैक्षणिक व अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में विकसित हुआ संस्थानः आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने एक युवा संस्थान से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त शिक्षा केंद्र के रूप में संस्थान के विकास पर बात की। उन्होंने

राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप, शैक्षणिक उत्कृष्टता, निरंतरता, उद्योग जुड़ाव और सामाजिक रूप से प्रासंगिक अनुसंधान के लिए आईआईटी इंदौर की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। प्रो. जोशी ने कहा, 17 वर्षों में, आईआईटी इंदौर उत्कृष्टता, अखंडता और नवाचार में निहित एक सक्रिय शैक्षणिक व अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में विकसित हुआ है। हमारा कार्य समाज की जरूरतों से निर्देशित है, जिसका स्पष्ट ध्यान ऐसे समाधान विकसित करने पर है जो आम लोगों तक पहुंचें और उन्हें सशक्त बनाएं। शिक्षा, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से, हम सार्थक प्रभाव पैदा करने और समावेशी व सतत् राष्ट्र निर्माण में योगदान करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षा, उद्योग और समाज में सहयोगः कार्यक्रम में आईआईटी जम्मू के अध्यक्ष और टेक्नोक्राफ्ट ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक डॉ. शरद कुमार सराफ और साकेत चतुर्वेदी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (मिग कॉम्प्लेक्स) हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), नासिक, अतिथि के रूप में उपस्थिति हुए। अपने संबोधन में अतिथियों ने आईआईटी इंदौर के तेजी से विकास, मजबूत अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र और भविष्य के लिए तैयार प्रतिभा को आगे बढ़ाने में इसकी भूमिका की सराहना की, साथ ही शिक्षा, उद्योग और समाज में निरंतर सहयोग को प्रोत्साहित किया।

देश के प्रति अपना योगदान देना हमारा कर्तव्य होः डॉ. शरद कुमार सराफ ने डीन और विभागाध्यक्षों से बातचीत की और उन्हें अपने अंतर्ज्ञान का अनुकरण करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करना उचित प्रतीत हो सकता है, लेकिन देश के प्रति अपना योगदान देना हमारा कर्तव्य होना चाहिए, क्योंकि यही हमारा कर्म है और हमें उन चुनौतियों और अवसरों पर काम करना चाहिए जो देश को नेतृत्व की स्थिति में ले जाएंगे।

नई प्रयोगशाला और नवाचार स्थान

स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर, संस्थान ने नई प्रयोगशालाओं और नवाचार स्थानों के उद्घाटन के साथ अपने अनुसंधान बुनियादी ढांचे को मजबूत किया। इसमें टीईएम लैब और प्रज्ञान नवाचार पारगमन प्रयोगशाला शामिल हैं, जो अनुसंधान सुविधाओं और ट्रांसलेशनल इनोवेशन को मजबूत करने पर आईआईटी इंदौर के निरंतर ध्यान को रेखांकित करता है। यह अत्याधुनिक प्रयोग, कौशल विकास और स्टार्टअप इनक्यूबेशन पर इसके ध्यान को मजबूत करता है। संस्थान ने परिसर में हरित पहलों के माध्यम से पर्यावरणीय निरंतरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

कर्मचारी, संकाय सदस्य, पूर्व छात्र को पुरस्कार

संस्थान में उत्कृष्टता को सम्मानित हुए, आईआईटी इंदौर ने अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास, पेशेवर सेवा और नवाचार में उत्कृष्ट योगदान के लिए संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और पूर्व छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए। युवा पूर्व छात्र को भी विभिन्न क्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों और प्रभाव के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आईआईटी इंदौर के अनुसंधान के परिणाम, तकनीकी क्षमताओं और शैक्षणिक उपलब्धियों को उजागर करने वाले प्रमुख संस्थागत प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया, जो इसके बढ़ते राष्ट्रीय और वैश्विक पदचिह्न में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। समापन एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ, जो भारत की समृद्ध कलात्मक विरासत को दर्शाता है और शिक्षा के अलावा समग्र विकास के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।